Tirupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I No. UPBIL/2009/28691, DAVP Code: 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 29 March 2020
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-11 Issue - 43

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

News of the Week कोरोना वायरस के देश में अब तक कुल 1,637 मामले आ चुके हैं। इस बीमारी से 133 लोग ठीक हो गए हैं। कुल 49 विदेशी भी इस बीमारी से पीड़ित हैं। अब तक 39 ने कोरोना से जान गंवाई है। लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है।

Inside Ghaziabad

पेज नंबर 2
egkikj vk'kk oek u vJk;
LFkyk dk fy ;k tk; tk

पेज नंबर 5
Discrimination amid pandemic, Pakistan...

TIRUPATIEYE

हेल्प लाइन नंबर

विदेश से यात्र कर लौटने वाले व्यक्ति की सूचना दें
0120–4186453

मास्क और सैनिटाइजर कालाबाजारी की सूचना दें
0120–2829040

जरूरी सामान की दुकान बंद कराए या मीडियाकर्मी को रोके तो सूचना दें
9454403434

कोरोना वायरस के सैंपल लेने के लिए जिला एमएमजी अस्पताल स्थित कंट्रोल रूम का नंबर
07011477836

संयुक्त जिला अस्पताल में स्थापित कंट्रोल रूम
0120–2783098

विद्युत निगम भेजेगा औसत बिल, एसएमएस से मिलेगी सूचना, ऑनलाइन करना होगा भुगतान

गाजियाबाद : बिजली बिल बनने का वक्त आ गया है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम वितरण निगम ने तय किया है कि लॉकडाउन के दौरान घरों में जाकर रीडिंग नहीं ली जाएगी। पिछले तीन महीनों के बिल के आधार पर औसत बिल बनाए जाएंगे। विद्युत निगम के चीफ इंजीनियर आरके राणा ने बताया कि स्थिति ठीक होने पर जब भी रीडिंग ली जाएगी, तब जिनके पैसे ज्यादा आए होंगे उस अगले बिल में एडजस्ट कर दिया जाएगा। जिनसे कम लिए गए होंगे, उनसे बाद में वसूली कर ली जाएगी। जिले में विद्युत निगम के 8.80 लाख उपभोक्ता हैं। हर माह एक से 20 तारीख के बीच रीडिंग लेकर बिल बनाए जाते हैं।

जनपद में हुई कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या आठ, 123 की रिपोर्ट नेगेटिव

विदेश से यात्रा कर गाजियाबाद पहुंचे व्यक्तियों की संख्या है 1335

गाजियाबाद : कोरोना को लेकर जिले में जंग जारी है। जिला प्रशासन बेहद शानदार वर्किंग के साथ काम कर रहा है। निजी अस्पताल से लेकर होटल और पुलिस लाइन में आईसोलेशन वार्ड बनाए गए है। पल–पल की घटना पर जिला प्रशासन नजर रख रहा है। मंगलवार को जिला प्रशासन ने अपनी सूची जारी की। जिसमें बताया गया है कि गाजियाबाद में विदेश यात्रा प्राप्त किए हुए व्यक्तियों की संख्या 1335 है। 28 दिन का क्वारंटाइन पूरा करने वाले व्यक्ति की संख्या 368 है। इस समय होम क्वारंटाइन में जिन लोगों को रखा गया है उनकी संख्या 916 है। कोरोना की जांच के लिए अब तक 152 सैंपल लिए गए है। कोरोना की नेगेटिव रिपोर्ट 123 लोगों की आई है। जिन लोगों की रिपोर्ट अभी वेटिंग में है उनकी संख्या 23 है। जिले में कोरोना के पॉजेटिव केस 6 मिले है। जिले में दो रिपोर्ट डाक्टर लाल पैथ लैब से भी आई है। इस तरह यहां संख्या 8 हो गई है। इलाज के बाद पूरी तरह स्वस्थ होने वाले व्यक्तियों की संख्या दो है। एमएमजी अस्पताल में 25 व्यक्ति ऐसे है जिन्हें आईसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया है। संजय नगर स्थित जिला संयुक्त अस्पताल में कोई व्यक्ति आईसोलेशन में नहीं है। 14 एरिया ऐसे माने गए है जिन्हें वी संक्रमित एरिया घोषित किया गया है। जिसमें तहसील परिसर, कलेक्ट्रेट परिसर, न्यायालय परिसर, जिला एमएमजी अस्पताल, कोतवाली परिसर, मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय, पीडब्ल्यूडी, गेस्ट हाउस, वसुंधरा सेक्टर–9 गेस्ट हाउस, वैशाली सेक्टर–6 गाजियाबाद, पसौंडा, सुंदरदीप आयुर्वेदिक चिकित्सालय, संतोष अस्पताल और सूर्य अस्पताल आदि शामिल है।

चार अस्पतालों में बनाए गए 375 आइसोलेशन वार्ड

गाजियाबादः प्रशासन ने सोमवार को चार निजी अस्पतालों समेत पांच का अधिग्रहण कर लिया। यहां कोरोना मरीजों और संदिग्धों के लिए 405 आइसोलेशन वार्ड बनाया जाएगा। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने एक आदेश जारी करते हुए गाजियाबाद के 4 प्रमुख अस्पतालों को प्रशासन के अधीन लेकर उन्हें मुख्य चिकित्सा अधिकारी को हस्तांतरित कर दिया है। आदेश के अनुसार ईएसआईसी अस्पताल साहिबाबाद में 30 बेड, न्यू सर्वोदय अस्पताल कविनगर में 100 बेड, फ्लोरिस चिकित्सालय प्रताप विहार में 75 बेड, नरेन्द्र मोहन अस्पताल मोहन नगर में 100 बेड और मैक्स हॉस्पिटल वैशाली में 100 बेड बनाए जाएंगे। डीएम ने उक्त अस्पतालों के प्रबंधन को निर्देश जारी किए हैं कि वे डॉक्टर समेत पूरे स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। आदेशों का उल्लंघन करने पर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई है। डीएम ने सीएमओ को निर्देश दिए हैं कि वे उक्त अस्पतालों में कोविड–19 के तहत आइसोलेशन सेंटरों की जल्द स्थापना करवा दें। डीएम ने जिले के सभी अस्पतालों को किसी भी आपदा के लिए तैयार रहने के आदेश दिए गए हैं।

65 सोसायटियों के दस लाख लोगों का डोर–टू–डोर सर्वे

गाजियाबाद : सात कोरोना पॉजिटिव और डेढ़ सौ संदिग्धों केस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम अलर्ट हो गई है। 65 सोसायटियों के करीब दस लाख लोगों का सर्वे किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। बीस दिन में चार लाख 87 हजार लोगों का सर्वे करते हुए विदेश से लौटे बीस लोगों को चिह्नित करते हुए इनके घरों पर स्टीकर लगवा दिए गए है। रैपिड रेस्पांस टीम के अलावा तीस डॉक्टरों की राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आर बी एस के) टीम डोर–टू–डोर सर्वे करते हुए संबंधित लोगों के स्वास्थ्य की जांच भी कर रही है। इतना ही नहीं 17 कर्मचारियों की सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाईजर (एस टी एस) टीम और सीनियर ट्रीटमेंट लैब्रोटरी सुपरवाईजर (आर बी एस के) टीम अलग–अलग क्षेत्रों में सघन चेकिंग कर रहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम की संयुक्त टीम इन क्षेत्रों को सोडियम हाइपोक्लोराइड से सैनिटाइज करवा रही है। खास बात यह है कि एक पॉजिटिव केस मिलने पर उस क्षेत्र के पांच किलोमीटर एरिया को सैनिटाइज कराने के साथ घरों में सर्वे कराया जाना अनिवार्य है। सीएमओ डॉ. एन के गुप्ता के मुताबिक राजनगर एक्सटेंशन की 32 सोसायटियों के ढ़ाई लाख लोगों तक टीमें पहुंची है। इसके अलावा कौशांबी, वैशाली, वसुंधरा, पाश्वर्नाथ, सेवियर, शालीमार गार्डन, कविनगर, मोहननगर इलाकों के दो लाख 87 हजार लोगों को रैपिड रेस्पांस टीम ने अपनी निगरानी में ले लिया है। इन क्षेत्रों को सैनिटाइज कराने के साथ ही तीस आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों के साथ बैठकें करते हुए खास जानकारी दी गई है। सीएमओ एनके गुप्ता के मुताबिक उक्त क्षेत्रों में कोरोना का फैलाव होने की आशंका है। सात पॉजिटिव केसों में से दो राजनगर एक्सटेंशन तो पांच ट्रांस हिंडन के हैं। संदिग्धों की संख्या भी इन्ही इलाकों में अधिक मिल रही है। प्रशासन ने 21 मजिस्ट्रेट एवं जीडीए ने आठ टीमें भी उक्त क्षेत्रों में लगा रखी हैं।

Noida company coronavirus chain has 29 cases now

NOIDA: Noida's coronavirus infections have predominantly come from a single contact chain of Cease Fire employees — 29 of the 38 so far. It has spread to Ghaziabad, where one more Cease Fire employee tested positive on Tuesday, and as far as Bareilly, where five new cases on Tuesday were linked to the chain. Noida's healthcare apparatus was overwhelmed by a sudden spike in novel coronavirus cases since March 24. Asked how additional patients will be managed if there are over five patients on Wednesday, district magistrate Suhas LY, who has just taken charge, told TBC, "I'm sure we will be able to manage something."

महापौर ने अश्राय स्थलों का लिया जायजा

गाजियाबाद : महापौर आशा शर्मा सोमवार को आश्रय स्थलों का जायजा लिया। जो लोग गाजियाबाद में फंस गए थे, उनकों आश्रय स्थलों में रखा गया है। उनके लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। महापौर ने निगम निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ 1800 मजदूरों व असंगठित क्षेत्र के कामगारों को भोजन की व्यवस्था की गई। इसके अलावा निगम की तरफ से मुख्य मार्गों व गलियों में एंटी वायरस घोल का छिड़काव किया गया है। जिन सोसायटियों में कोरोना के पॉजिटिव मरीज मिले थे, उनको सैनिटाइज कराया जा रहा है। महापौर ने बताया कि अश्रय स्थलों को सैनिटाइज किया जाता रहेगा।

रैन बसेरे में की गई 100 लोगों में ठहरने की व्यवस्था

लोनी : आपदा से बचने के लिए अधिकारियों ने नगर पालिका के रैन बसेरे (शेल्टर हाउस) में सौ लोगों के ठहरने की व्यवस्था की है। यहां रूकने वालों के अलावा आसपास की कालोनियों के लोगों को भी खाना वितरित किया जा रहा है। अधिकारी आवास विकास परिषद की मंडोला विहार योजना के तहत बनाए गए फ्लैटों में भी लोगों को रोकने की व्यवस्था कराने में लगे हैं। फ्लैटों में सफाई का कार्य शुरू करा दिया गया है।

लॉकडाउन में फंसे लोगों के लिए जीडीए सामुदायिक केंद्र को बनाएगा आश्रय स्थल

गाजियाबाद : लॉकडाउन के दौरान शहर में फंसे लोगों के लिए जीडीए ने सामुदायिक केंद्रों को आश्रय स्थल में तब्दील करना शुरू दिया है। अब तक छह सामुदायिक केंद्रों में आश्रय स्थल बनाए गए हैं। उनमें सामाजिक दूरी के मानकों का ध्यान रखते हुए 120 लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। इनमें गद्दे बिछाए गए हैं, सैनिटाइजर रखवाया गया है। बैठने के लिए कुर्सी की व्यवस्था भी की गई है। हाथ धोने के लिए हैंडवॉश की व्यवस्था है। जीडीए अधिकारियों ने तय किया है कि जरूरत पडने बाकी सामुदायिक केंद्रों में आश्रय स्थल बनाए जा सकते हैं। बहुत से लोग हैं, जो लॉकडाउन के दौरान बस परिचालन की सूचना पर गाजियाबाद आ गए। उन्हें यहां आकर मालूम हुआ कि बसें चलनी बंद हो गई। जिले की सीमाएं सील होने के कारण वह कहीं नहीं जा पा रहे। इन लोगों के ठहरने के लिए सबसे पहले इंदिरापुरम, कौशांबी में सामुदायिक केंद्र को आश्रय स्थल बनाया गया था। अब प्रताप विहार, ब्रिज विहार, स्वर्णजयंतीपुरम और कविनगर सामुदायिक केंद्र को आश्रय स्थल में तब्दील कर दिया गया है। जीडीए के मुख्य अभियंता विवेकानंद सिंह ने बताया कि जरूरत पड़ी तो बचे हुए 14 सामुदायिक केंद्रों में भी आश्रय स्थल बनाए जा सकते हैं। इसके लिए जीडीए पूरी तरह तैयार है।

खेतों में छह फीट की दूरी बनाकर रखें किसान

गाजियाबाद : कृषि विभाग ने किसानों को कोरोना के प्रति जागरुक करने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। किसानों को बताया जा रहा है कि वह खेत पर भी एक दूसरे से छह फीट की दूरी बनाकर रखें। जो मजदूर खेत में काम करते हैं, वह एक दूसरे के संपर्क में न आए। जिला विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी ने बताया कि काफी संख्या ग्रामीण लोग शहर में मजदूरी करते हैं। मगर जब गेहूं की कटाई शुरू होती है तो वह गांव लौट जाते हैं। लॉकडाउन ऐसे समय पर हुआ कि जब गेहूं की कटाई शुरू होने वाली है। काफी संख्या में लोग शहर गांव में आ गए हैं। कृषि विभाग ने शहर से गांव आए लोगों को जागरुक करना शुरू कर दिया है। शहर आने वाले लोगों को 14 दिन के लिए क्वारंटाइन में रखा जा रहा है। इसके अलावा खेतों में काम करने वाले में मजदूरों को छह फीट की दूरी बनाए रखने की हिदायत दी गई है। हालांकि गेहूं की कटाई करते वक्त पहले से ही दूरी बनी रहती है, मगर खेत में थकान होने पर लोग एक दूसरे के साथ बैठ जाते हैं। लोगों को बताया जा रहा है कि वह खेत में भोजन करते वक्त एक साथ न बैठे। इससे कोरोना का संक्रमण का खतरा बना रहता है।

संत निरंकारी मिशन ने की जरूरतमंदों की मदद

गाजियाबाद : संत निरंकारी मिशन की ओर से जरूरतमंद परिवारों में राशन सामग्री का वितरण किया गया। मीडिया सहायक सुखजिंदर सिंधु ने बताया कि कोरोना वायरस के चलते संकट की घड़ी में संत निरंकारी सेवादल के सदस्यों द्वारा जरूरतमंद लोगों तक राशन सामग्री पहुंचाई जा रही है। जहां भी लगा है कि खाने के लिए राशन की कमीं है वहीं उन लोगों को आटा, दाल, चावल, चीनी, सरसों का तेल और नमक आदि सामग्री दी गई। राशन वितरण के दौरान कोरोना से बचाव की लिए पूरी सावधानी भी बरती गई। इसके अलावा संत निरंकारी मिशन ने पेशकश की है कि सत्संग भवनों में स्थाई केंद्र बना सकते हैं।

लॉकडाउन में एलपीजी सिलेंडर की होम डिलीवरी का झांसा दे ठगी

गाजियाबाद : लॉकडाउन में एलपीजी सिलेंडर की होम डिलीवरी का झांसा दे युवक के खाते से 25 हजार रुपये निकाल लिए। वेंडर के इन्कार करने पर पीडित ने शिकायत करने को गूगल सर्च से मिले नंबर पर कॉल की थी। ठग ने मोबाइल को हैक कर ठगी को अंजाम दिया। पीडिघ्त सेक्टर–23 चौकी में शिकायत देने पहुंचे तो उन्हें लौटा दिया गया। जागृति विहार निवासी फिरोज फोटोग्राफर हैं। पीडिघ्त के मुताबिक उन्होंने एक सप्ताह पूर्व एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग कराई थी, लेकिन सिलेंडर नहीं मिला। मंगलवार को उन्होंने इंडेन गैस एजेंसी के वेंडर को फोन किया तो लॉकडाउन की बात कही उसने इन्कार दिया। कहा कि एजेंसी पर आकर सिलेंडर ले जाओ। पीडिघ्त ने शिकायत करने के लिए इंडेन गैस एजेंसी का कस्टुमर केयर नंबर गूगल पर सर्च किया। कॉल करने पर ठग ने सिलेंडर की होम डिलीवरी का आश्वासन दिया। कहा कि इसके लिए एक रुपये का चार्ज लगेगा। आरोपित ने एनीडेस्क रिमोट कंट्रोल ऐप डॉउनलोड करा उसका कोड पूछ लिया और पीडिघ्त के बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से 25 हजार रुपये निकाल लिए। एसएचओ कविनगर मोहम्मद असलम का कहना है कि पीडिघ्त तहरीर देते हैं तो रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जाएगी।

बिना जरूरत राशन को की कॉल तो होगे मुचलका पाबंद

गाजियाबाद : यदि बिना जरूरत के राशन के लिए कॉल की और पुलिस को घर में पहले से ही पर्याप्त मात्रा में राशन रखा मिला तो आपको कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि ऐसे लोगों के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 107/16 के तहत मुचलका पाबंद किया जाएगा। लॉकडाउन के समय में प्रशासन द्वारा संस्थाओं के साथ मिलकर जरूरतमंदों को राशन मुहैय्या कराया जा रहा है। मदद उन्हें ही दी जा रही है, जिनके पास लॉकडाउन में आमदनी का जरिया नहीं है और घर पर राशन भी खत्म हो गया है। मगर कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो राशन होने के बाद भी कॉल कर रहे हैं। सोमवार को जिले में दो ऐसी कॉल की गई थीं। पुलिस राशन देने पहुंची तो देखा कि घर में सभी चीजें पर्याप्त हैं। इसका एक वीडियो भी बनाया गया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। एसएसपी ने बताया कि लॉकडाउन में कई गरीब परिवारों के पास राशन नहीं है। ऐसे लोग यूपी–112 पर कॉल कर मदद मांग रहे हैं और उनके घर तक राशन पहुंचाया भी जा रहा है। रविवार को इस संबंध में 425 कॉल आई थीं, जबकि सोमवार को जिले भर से 697 कॉल मिलीं।

श्रमिकों से औद्योगिक क्षेत्र व घरों में रहकर देश बचाने का आह्वान

गाजियाबाद : कोरोना वायरस से बचाव के लिए उद्योग जगत ने देश बचाने के लिए अपने कर्मचारियों से लेकर आमजन से घर रहकर देश को बचाने का आह्वान किया है। बोले कि सभी ने सावधानी के साथ घरों में रहकर देशहित में सरकार की मंशा का पालन किया तो अगले कुछ दिनों में हम लोग महामारी से आजाद होंगे। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि घबराने की जरूरत नहीं हैं। इस मुश्किल वक्त में हम सभी साथ–साथ हैं। इस बारे में दैनिक जागरण से उद्यमियों से बात की। तो उन्होंने कर्मचारी व श्रमिकों को भरोसा दिलाया कि वह इस मुश्किल समय उनके साथ हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आइआइए नीरज सिंघल ने कहा कि अभी वक्त है कि हम संभल जाएं फिर संभलने का भी मौका नहीं मिलेगा। परिवार के साथ सावधानी के साथ समय बिताने का वक्त है ऐसे में घर से बाहर न निकलें। लोगों से मोबाइल पर संपर्क में रहें। आइआइए ने फैसला लिया है कि संकट की इस घडी में अपने कर्मचारियों का ख्याल रखा जाएगा। इंसान बचेगा तभी काम भी करेगा। इस मौके पर हम अपने कर्मचारियों के साथ हैं। उन्हें घर से न निकलने की सलाह दी जा रही है। इंडस्ट्रियल एरिया मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के महासचिव राजीव अरोरा ने बताया कि संगठन से जुडे उद्यमियों ने कर्मचारियों को सावधानी बरतने के साथ ही कहा है वह खुद बीमार हों या फिर परिवार में कोई बीमार व्यक्ति है तो सूचना दें। उसका इलाज कराया जाएगा। इसके अलावा कैश मुहैया कराया गया है। इसके अलावा खाने का सामान न मिलने पर भी इसकी जानकारी देने को कहा है, लेकिन देश हित में घरों में रहने की हिदायत दी है। जो फैक्ट्रियों में कर्मचारी हैं उन्हें बाहर न निकलने और बाहर से किसी के मिलने की सलाह दी गई है। उद्यमी विकास खंडेलवाल ने बताया कि सरकार द्वारा जनहित में उठाए गए हर कदम का हम स्वागत और पालन कर रहे हैं। इसके लिए अपने वर्कर्स को भी जागरूक किया है। इस मुश्किल वक्त में हम हर कदम पर उनके साथ खडे हैं। उनसे घरों में रहकर देश को बचाने के लिए कहा गया है। कर्मचारियों से घरों से निकलने और परिवार की सुरक्षा के साथ ही फोन पर अन्य लोगों को भी इस खतरे से बचने के लिए जागरुक करने को कहा है।

कोरोना पॉजिटिव मरीजों के घर किए सीज

गाजियाबाद : कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए प्रशासन अब कड़े कदम उठा रहा है। डीएम अजय शंकर पांड़ेय ने सोमवार को जारी किए गए एक आदेश में पांच कोरोना पॉजिटिव मरीजों के घरों को एक अप्रैल तक के लिए सीज कर दिया गया है। संबंधित सोसायटियों के लोगों को भी अपने–अपने घरों में क्वारंटाइन रहने के निर्देश दिए गए है। कौशांबी, वैशाली, वसुंधरा, मोहननगर और शालीमार गार्डन के सात लोग हाल ही में कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। इन क्षेत्रों में वाहनों के प्रवेश एवं निकासी पर भी रोक लगा दी गई है।

संपत्ति टैक्स बकाएदारों को नहीं मिली राहत

गाजियाबाद : लॉकडाउन में संपत्ति टैक्स बाएदारों को शासन से कोई राहत नहीं मिली है। बकाएदारों को ऑनलाइन टैक्स जमा करना होगा। हालांकि नगर निगम को टैक्स जमा नहीं करने पर ब्याज लगाने या अन्य कोई कार्रवाई करने के बारे में शासन से कोई दिशा निर्देश नहीं मिले हैं। मंगलवार को टैक्स जमा करने की अंतिम तिथि है। नगर निगम के टैक्स विभाग ने 1500 बड़े टैक्स बकाएदारों को चिह्नित किया है। पूर्व में भी इनमें से कुछ बकाएदारों को डिमांड नोटिस जारी किए थे। टैक्स जमा कराने के लिए 31 मार्च का का समय दिया गया है। मगर लोगों ने टैक्स जमा नहीं कराया। टैक्स नहीं

> नगर निगम के टैक्स विभाग ने 1500 बड़े टैक्स बकाएदारों को चिह्नित किया था

मिलने के कारण निगम के कई काम अटके हुए हैं। निगम ने टैक्स जमा नहीं करने वालों की संपत्ति सील कर दी थी। जिसके बाद कुछ लोगों ने टैक्स जमा कर दिया था। अफसरों ने डेढ़ लाख से ज्यादा रकम वाले बकाएदारों के बैंक खातों को सीज करने का निर्णय लिया था। 1500 बकाएदारों पर 35 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। अफसरों ने नगर निगम के दफ्तर में कोरोना की वजह से लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। लॉकडाउन होने पर दफ्तर को बंद कर दिया गया है। बकाएदारों को ऑनलाइन टैक्स जमा करने के निर्देश दिए गए थे। यदि कोई 31 मार्च तक टैक्स जमा नहीं करता है तो उस पर 12 प्रतिशत का ब्याज लगाया जाना है। लॉकडाउन के बाद एक भी बकाएदार ने ऑनलाइन टैक्स जमा नहीं किया। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संजीव सिन्हा ने बताया कि टैक्स जमा करने या न करने पर शासन से कोई दिशा निर्देश जारी नहीं हुआ है। मगर निगम की तरफ से अभी किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

एसपी क्राइम व टीम ने डेढ़ लाख देने की घोषणा की

गाजियाबाद :कोरोना वायरस से लडने को पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा बनाए गए पीएम केयर्स फंड में एसपी क्राइम प्रकाश कुमार और उनकी टीम ने डेढ़ लाख रुपये देने की घोषणा की है। एसपी क्राइम ने अपने समेत 38 पुलिसकर्मियों द्वारा स्वेच्छा से दिए गए रुपये सैलरी से काटकर फंड में जमा कराने के लिए आंकिक कार्यालय को पत्र लिखा है। पीएम केयर्स फंड में एसपी क्राइम समेत 38 पुलिसकर्मियों ने अपनी सैलरी से कुल 1,50,304 रुपये देने की घोषणा की है। इंस्पेक्टर श्यामवीर सिहं ने सबसे ज्यादा 51 हजार रुपये, एसपी क्राइम, इंस्पेक्टर दलीप सिंह बिष्ट ने 11 हजार रुपये स्वेच्छा से दिए हैं।

घर से ही निशुल्क इलाज कर समाजसेवा कर रहे डॉक्टर

साहिबाबाद : लॉकडाउन के दौरान घर में रहकर ही लोग समाज सेवा कर रहे हैं। शिप्रा सनसिटी सोसायटी में रहने वाली दंत चिकित्सक अरुणिमा डक्षसघल ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। ऐसे में वह घर पर ही लोगों को दांत से जुड़ी हुई समस्याओं का समाधान कर रही हैं, जिससे लोगों को दांत की समस्या से परेशान न होना पड़े। वहीं, अन्य डॉक्टर व मनोचिकित्सक भी मरीजों को फोन पर ही जरूरी सलाह दे रहे हैं। डॉ. अरुणिमा सिंघल का कहना है कि उन्होंने हेल्पलाइन नंबर 9810179636 जारी किया है। सुबह 10 बजे से रात के आठ बजे तक लोग इस नंबर पर कॉल कर दांत से जुड़ी हुई समस्या का समाधान पूछ रहे हैं। उनका कहना है कि लोग घर में बैठकर कुछ न कुछ खाते रहते हैं। ऐसे में दांतों में समस्या होना आम है। लोगों को शाम को खाना खाने के बाद अवश्य ब्रश करने की सलाह दी जा रही है। इतना ही नहीं खाना खाने के बाद मुंह को अश्छे से साफ करें, जिससे मुंह साफ रहे और दांतों में सडन न हो। वहीं, डॉक्टर सचिन भार्गव समेत अन्य कई डॉक्टर घर से ही लोगों की बीमारी सुनकर जरूरी सलाह दे रहे हैं, जिससे लोगों को परेशान न होना पड़े।

बच्चे एकत्र कर रहे पैसा, जरूरतमंदों को देंगे खाद्य सामग्री

साहिबाबाद : लॉकडाउन के दौरान कोई भूखा न सो जाए इसके लिए बच्चे भी मदद को सामने आ रहे हैं। अर्थला के नीलमणि कालोनी के रहने वाले बच्चों अपनी पॉकेट मनी और परिजनों से रुपये मांगकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं। वहीं, कोरोना वायरस से फैली वैश्विक महामारी में विभिन्न संस्थाएं, आरडब्ल्यूए और एओए भी लोगों को खाना बांटने से लेकर राहत सामग्री पहुंचाने का काम कर रहीं हैं। नीलमणि कालोनी निवासी मोहित चंदेल ने बताया कि कालोनी में रहने वाले सनी, छोटन, स्वरूप, भोलू, मनोज सक्सेना, प्रकाश झा समेत अन्य बच्चे कुछ युवाओं के साथ मिलकर अपनी गुल्लक व पाकेट मनी से लोगों की मदद कर रहे हैं। सभी ने मिलकर रविवार को भंडारा कराया, सड़क पर पैदल जा रहे लोगों को खाद्य पदार्थ व पानी की बोतलें बांटी। वहीं, सभी ने मिलकर सोमवार को प्रधान मंत्री के राहत कोष पीएम केयर्स फंड में भी अनुदान किया। वहीं इंदिरापुरम व्यापार मंडल के अध्यक्ष ओमवीर यादव ने बताया कि सोमवार को इंदिरापुरम की विभिन्न इलाकों में झुग्गियों में रहने वालों व मुसाफिरों को नमकीन, बिस्कुट, पानी की बोतल व खाद्य सामग्री बांटी गई। वहीं, इंदिरापुरम में अनंत उन्नति फाउंडेशन की ओर से झुग्गियों में रहने वाले लोगों को राशन बांटा गया।

पुलिस ने दिखाई सख्ती, गली–गली हुई जांच, सीमाएं सील

साहिबाबाद : ट्रांस हिंडन में सोमवार को लॉकडाउन को लेकर पुलिसिया सख्ती कुछ ज्यादा देखने को मिली। पुलिस ने मुख्य मार्गों से लेकर गलियों तक में आने–जाने वालों को रोककर जांच–पड़ताल की। अनुमति प्राप्त लोगों को ही आवाजाही करने दिया। बिना काम के घूमने वालों के वाहनों का चालान कर मुकदमा दर्ज किया। इससे यहां लॉकडाउन का व्यापक असर देखने को मिला। सोमवार सुबह से ही पुलिस की सख्ती देखने को मिली। लैपर्ड, पीसीआर व पीवीआर से क्षेत्र में गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों ने सड़कों पर वाहनों से आ–जा रहे लोगों को रोककर उनसे घरों से निकलने का कारण पूछा। जरूरी कामों से निकले व अनुमति प्राप्त वाहनों के संबंध में प्रमाण देखने के बाद आने–जाने दिया। बिना कारण के घूमने वालों के वाहनों का चालान कर दिया। उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया। गलियों में एनाउंस कर लोगों को घरों से नहीं निकलने की अपील की। लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। पुलिस की सख्ती की वजह से मुख्य सड़कों के अलावा गली–मोहल्लों में भी सन्नाटा रहा।

सीमाएं पूरी तरह रहीं सील

दिल्ली से सटी सभी सीमाएं पूरी तरह से सील रहीं। सिर्फ आवश्यक कामों के लिए जाने वाले लोगों को ही आने–जाने दिया गया। शहर के अंदर

विभिन्न चौराहों पर बैरियर लगाकर पुलिस ने चेकिंग की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि अनावश्यक रूप से घरों से निकलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस जरूरतमंदों की मदद कर रही है।

6 और संदिग्ध भर्ती

जिला एमएमजी अस्पताल में सोमवार को 6 और कोरोना संदिग्धों को भर्ती किया गया है। इनमें 2 प्रताप विहार, एक मुरादनगर, एक इंदिरापुरम, एक मोहनगर और एक वैशाली से हैं। एमएमजी अस्पताल में सोमवार तक 4 पॉजिटिव और 28 संदिग्ध मरीज भर्ती हैं। संयुक्त अस्पताल में सोमवार को कोई भर्ती नहीं हुआ। यहां तीन मरीज भर्ती हैं जिनकी रिपोर्ट का इंतजार है।

33 जांच रिपोर्ट का इंतजार

स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार तक 149 लोगों की जांच की है। इनमें से 111 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। जिसमें से 5 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, जिसमें 2 लोग स्वस्थ्य हो चुके हैं। अब 33 जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

होटलों का होगा अधिग्रहण

क्वारंटाइन सेंटर बनाने के लिए शहर के तीन बड़े होटलों का अधिग्रहण किया जाएगा। इनमें रेडिसन,कंट्री इन और सिट्रस शामिल है। डीएम ने एक आदेश जारी करके सभी होटल मालिकों को निर्देश दिए हैं कि वे स्टाफ को अवकाश न दें और खानपान की व्यवस्था पूरी तरह से बनाए रखें। संभावना जताई जा रही हैं कि इन होटलों में मेडिकल स्टाफ के लिए क्वारंटाइन सेंटर बनाए जा सकते है।

डीएम और एसएसपी ने किया निरीक्षण

डीएम अजय शंकर पांडेय और एसएसपी कलानिधि नैथानी ने सोमवार को संतोष अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड का निरीक्षण करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने कहा कि कोरोना वायरस से पीडित या संदिग्धों के इलाज के लिय गाजियाबाद में सम्पूर्ण व्यवस्था की जा रही है। आइसोलेशन वार्ड की संख्या बढ़ाई जा रही है। जिससे व्यवस्था ठीक रहे और सही इलाज हो सके।

EDITORIAL

Step up: On citizens' responsibility during a pandemic

With any big crisis comes great responsibility. In this time of a pandemic, while there is extensive, proven value in adopting recommended personal hygiene standards, maintaining physical distance, and demanding the States and Centre provide adequate facilities for testing and treatment for the ill, it is also essential to leave that word on the top of the pile — Responsibility. Every public health emergency requires community recognition that this is an extraordinary set of circumstances requiring far-from-ordinary responses. A reasonable restriction on citizens' rights may come into play on invoking provisions of the Epidemic Diseases Act. State police are already slapping cases on violators of the lockdown conditions; action is also being taken on those who violate quarantine. However, the strongest weapon that one can unleash against this pandemic is with every individual. The time to say this nicely is over. It is time to insist that every individual respond responsibly during this time: To inform authorities of relevant history of travel, stay in quarantine even if asymptomatic, follow all other protocols. Keeping health authorities in the loop could make the difference between life and death.

Individuals volunteering information will help the Central and State governments narrow down on the cluster cases centred around the Tablighi Jamaat conference in Nizamuddin, Delhi. The spread of cases from this one spot, which reportedly had several foreign nationals who later tested positive, and where six among those who attended died, has emerged as a key milestone in India's management of the epidemic. The conference was held on March 13, more than a week before the Sunday lockdown. Since then, people from the conference moved on, back home, and several, including Indonesian nationals who were present at Nizamuddin, have tested positive. While the State has deployed 'hotspot' containment strategies in ground zero in Delhi, it is the people who have spread out in the community that are absolutely crucial, over the next few days, to shaping one stretch of the course of the epidemic in India. While it is a massive exercise to track down all the attendees (it is now believed that thousands of people were present) and each of their contacts, it must still be done. Some States have already expressed being thwarted, without co-operation from the participants, and their close contacts. Unfortunately, this may leave the job half done, or undone, leading to disastrous consequences. It is indeed a Herculean task, and may even be considered impossible, unless those who went for the meeting in Delhi step up themselves, engage with health authorities, submit themselves to a test, and remain under quarantine for the prescribed period.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

अलग–अलग स्थानों से पांच तस्कर गिरफ्तार

साहिबाबाद : पुलिस ने अलग–अलग स्थानों से पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चार पेटी शराब और मादक पदार्थ बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक नगर डॉ. मनीष मिश्र ने बताया है कि टीला मोड़ पुलिस ने फर्रूखनगर से शहंशाह, मुस्तफा व मोईन को गिरफ्तार किया है। उनके पास से मादक पदार्थ बरामद हुआ है। तीनों में मादक पदार्थ बेचते थे। वहीं, इंदिरापुरम पुलिस ने अभय खंड से मुकेश व पंकज को गिरफ्तार किया है।

बालकनी में आकर कर रहे एक दूसरे का दीदार, दूरी बरकरार

साहिबाबाद : कोरोना से बचने के लिए लॉकडाउन किया गया है। ऐसे में लोगों को घरों से बाहर न निकलने की अपील की जा रही है। घर में रहकर लोग खुद को कोरोना से बचा रहे हैं, एक दूसरे से मिलने का मन होता है तो वह बालकनी में आ जाते हैं। बालकनी में खड़े होकर एक दूसरे का दीदार करते हैं। वहीं खड़े होकर बातचीत कर एक दूसरे का हाल जानते हैं, इसके बाद वापस अपने घर और फ्लैटों के अंदर चले जाते हैं। सोसायटी में अलग अलग फ्लैटों में रहने वाले बच्चे जो कि कुछ दिन पहले तक एक दूसरे के साथ खेलते थे, पढ़ते थे। वह भी लॉकडाउन का संपूर्ण पालन कर रहे हैं। घर से बाहर नहीं निकलते हैं, घर के अंदर परिवार वालों के साथ लूडो, कैरम बोर्ड खेलते हैं। दोस्तों से बालकनी में खड़े होकर बात करते हैं। दिन भर घर के माहौल और अपनी दिनचर्या के बारे में एक दूसरे से चर्चा करते हैं लेकिन दूरी बनाकर रखते हैं।

शुक्र चौक पर कूड़ा हटाकर डिवाइडर को किया जा रहा सुंदरीकरण

इंदिरापुरम : ऐसे स्थान जहां पर कूड़े का ढेर लगा रहता था अब वह स्वश्छता का संदेश देंगे। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए जीडीए के साथ मिलकर काम कर रही नेचर क्लीन इनवायरो सर्विस ने अच्छी पहल की है। सभी सोसायटियों में सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिड़काव करने के साथ सड़क पर लगे कूड़े के ढेर को भी हटाया जा रहा है। यहां पर गमले व फूल लगाकर सेल्फी प्वाइंट बनाया जाएगा। इंदिरापुरम जैसे पॉश इलाके में दर्जनों स्थानों पर लोग सड़क पर कूड़ा डाल देते हैं। जहां लोग कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने से परेशान हैं। वहीं, इन कूड़े के ढेर से भी बीमारी पनप सकती है। ऐसे में इंदिरापुरम की सड़कों के किनारे पड़े कूड़े को हटाने का काम किया जा रहा है। नेचर क्लीन इनवायरो सर्विस के उप महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव का कहना है कि इंदिरापुरम में काला पत्थर रोड स्थित शुक्र चौक पर लोग कूड़ा डालते थे। यहां पर हर रोज हजारों लोग आते जाते हैं, कूड़ा एकत्र होने से पशु एकत्र रहते थे। अब चौराहे से कूड़ा हटा दिया गया है। यहां पर चूना डालकर केमिकल का छिड़काव किया गया है, जिससे बैक्टीरिया व वायरस खत्म हो जाएं।

छत से गिरा छात्र, मौत

साहिबाबाद : थाना क्षेत्र स्थित नीलमणि कॉलोनी में सोमवार सुबह छत से गिरने से कक्षा–एक के छात्र की मौत हो गई। स्वजनों ने इसे हादसा मानकर पुलिसिया कार्रवाई से इंकार कर दिया। बताया गया कि सोमवार सुबह नीलमणि कॉलोनी निवासी मोहसिन का सात वर्षीय बेटा अमन छत पर कबूतरों को दाना डालने गया। इस दौरान वह छत से नीचे गिर गया। स्वजन उपचार के लिए उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हिंडन पुल पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक महक ड़क्षसह ने बताया है कि स्वजनों ने कोई कानूनी कार्रवाई नहीं चाही है।

फैक्ट्री में काम कर रहे श्रमिकों को खाना बांटा

गाजियाबाद : कोरोना की चपेट से बचाने के लिए 14 अप्रैल तक सरकार ने देश भर को लॉकडाउन किया है। शहर के विवेकानंद नगर बुलंदशहर औद्योगिक क्षेत्र में इंड्रस्ट्रीज एरिया में एक संस्था की ओर से करीब 300 फैक्ट्री श्रमिकों को भोजन वितरित किया गया। बताया जाता है कि उक्त फैक्ट्रियों में करीब 50 मजदूर यहां काम करते हुए मिले। राकेश मार्ग पर स्थित राधा रानी की रसोई संस्थापक अजय गुप्ता एवं उनके साथियों ने भोजन वितरित किया।

खाली प्लॉट पर डाला जा रहा कूड़ा

साहिबाबाद : जीटी रोड स्थित वृंदावन ग्रीन सोसायटी के पास खाली प्लॉट में लोग कूड़ा डाल रहे हैं। इससे आसपास के लोग परेशान हैं। इतना ही नहीं लोग खाली प्लॉट में शौच भी करने जाते हैं। इससे आसपास के लोगों को बीमारी का खतरा सता रहा है। शिकायत के बाद भी नगर निगम कार्रवाई नहीं कर रहा है। वृंदावन गार्डन निवासी एसके शर्मा का कहना है कि उनकी सोसायटी के पड़ोस में एक खाली प्लॉट है। उस प्लॉट में कुछ लोग कूड़ा डाल रहे हैं। इससे कूड़े का ढेर लग गया है। नगर निगम यहां से कूड़ा भी नहीं उठाता है। वहीं, रात में लोग इस प्लॉट में शौच करने भी जाते हैं। इससे गंदगी फैली पड़ी है। सोसायटी के लोग परेशान हैं। प्लॉट में गंदगी होने से मच्छर पैदा हो रहे हैं। लोगों को बीमारी का डर सता रहा है। लोगों ने इसकी नगर निगम के अधिकारियों से शिकायत की है। नगर निगम मोहन नगर जोन के प्रभारी एसके गौतम का कहना है कि खुले में कूड़ा डालने के जुर्माना लगाया जाता है। यहां पर कूड़ा डालने वालों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही कूड़ा हटवाया जाएगा।

हापुड़ के 81 बंदियों को दो माह की अंतरिम जमानत

मसूरी : डासना स्थित जिला कारागार में सोमवार को अदालत लगाकर हापुड़ के 81 कैदियों को दो माह की अंतरिम जमानत पर छोड़ा गया है। रविवार को गाजियाबाद के 89 कैदियों को इसी तरह जमानत दी गई थी। मंगलवार को दोबारा गाजियाबाद की अदालत लगाई जाएगी। जेल अधीक्षक विपिन मिश्रा ने बताया कि हापुड़ के जिला जज और एसीजेएम ने सोमवार को जेल में ही अदालत लगाई। सात साल व इससे कम सजा के मामलों में जेल में बंद कैदियों के मामलों में सुनवाई करते हुए 81 को दो माह की अंतरिम जमानत दी है। इन्हें जेल से रिहा करने की प्रक्रिया भी शाम से ही शुरू कर दी गई।

नोएडा की कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या पहुंची आठ

गाजियाबाद : जिले में कोरोना पॉजिटिव की संख्या आठ पहुंच गई है। मंगलवार को 12 लोगों की रिपोर्ट आई है, जिनमें से 11 नेगेटिव पाए गए हैं। पॉजिटिव पाया गया व्यक्ति नोएडा की उसी कंपनी का कर्मचारी है, जिसके दो कर्मचारी पहले से संक्रमित हैं और एमएमजी अस्पताल में भर्ती हैं। मंगलवार को तीन लोगों के सैंपल दिल्ली स्थित एनसीडीसी को भेजे गए हैं। कुल 25 की रिपोर्ट लंबित है। सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता ने मंगलवार को पॉजिटिव पाया गया व्यक्ति नोएडा की कंपनी में कार्यरत है और शालीमार गार्डन निवासी संक्रमित व्यक्ति का दोस्त भी है। इसी कंपनी की एचआर मैनेजर से उसके पति को वायरस का संक्रमण हुआ था। दोनों ने निजी लैब में जांच कराई थी। इसके बाद नोएडा के जिम्स में भर्ती होने चले गए थे, जहां इन्हें एमएमजी में भर्ती करा दिया गया था। जिले में संक्रमित पाए गए आठ में दो लोग ठीक होकर डिस्चार्ज किए जा चुके हैं।

Kerala, Maharashtra, UP report highest number of cases

NEW DELHI: In a massive surge in fresh cases led by 82 in Maharashtra and 57 in Tamil Nadu, 315 new coronavirus infections were reported in the country on Tuesday — nearly double the previous day's number taking the total number of cases detected in India galloping to 1,618. The number of deaths among Covid-19 cases too rose by nine to 52 so far. As many as 626 new cases have been reported in the past three days, accounting for nearly 40% of all cases so far. The current physical distancing guidelines provided by the World Health Organisation (WHO) and by the US Centers for Disease Control and Prevention (CDC) may not be adequate to curb the coronavirus spread, according to a research which says the gas cloud from a cough or sneeze may help virus particles travel up to 8 metres. As of Wednesday, number of confirmed cases in Kerala stood at 234 while Maharashtra reported 216 cases and Uttar Pradesh had 101 cases. The highest number of deaths have been reported from Maharashtra with nine people succumbing to the disease and one dead in Kerala. Meanwhile, UP reported its first death on Wednesday after test reports of a 25-year-old man, who died two days ago, came COVID-19 positive. As of Wednesday afternoon, India had 1,466 active cases with the nationwide death toll at 38. Punjab and Sindh topped the list with 708 and 676 cases. Pakistan occupied Kashmir reported six cases, while there were 158 cases in Balochistan, 184 in Gilgit Baltistan, 54 in Islamabad, and 253 cases in Khyber Pakhtunkhwa. Six people, Maulana Saad, Dr Zeeshan, Mufti Shehzad, M Saifi, Younus, and Mohd Salman named in the FIR in Markaz, Nizamuddin case.

2 of 5 Pak men who returned home via Attari test positive

AMRITSAR: Two of the five Pakistani men who returned home via Attari land border after a medical check-up at a private hospital in Noida, UP, tested positive for Covid-19 at Lahore, sources said. Mohammad Khalid and Yasir Mukhtar, who were part of the five-member group to cross over to Pakistan through Attari border on March 29, have been confirmed with Covid-19 and admitted to the isolation ward of Services Hospital, Lahore, sources said. Test reports of 15 people released by Services Institute of Medical Sciences on March 31 show that two suspected patients, serial number 13 and 15, were confirmed to be virus-positive, while Nighat, serial number 14, tested negative. No tests were conducted on the other two members of the group, Muhammad Ashfaq and Muhammad Asif, as they did not have any symptoms, sources said. Ashfaq and Nighat, who had liver ailments, went to a private hospital in Noida for check-up. Nighat, supposed to have a liver transplant on this visit, was advised against it by the Noida doctors owing to his poor health.

Wife and mother of Bulandshahr man who worked at ceasefire company test positive for Covid-19

MEERUT: Three days after a 30-year-old Bulandshahr man who worked at the ceasefire company in Noida tested positive for Covid-19, his wife and mother, too, contracted the infection on Wednesday. The samples of eight family members of the employee were sent for testing – out of which two tested positive and the others tested negative. The health authorities have now started an outreach campaign in Veer Khera village and the surrounding three-kilometre radius area to find people who might have come in contact with the positive cases. "The wife and mother of the 30-year-old Bulandshahar man - who worked at the Noida ceasefire factory tested positive for coronavirus on Wednesday. As many as six samples of his family were sent for testing, out of which two have tested positive. The two of them have been kept in quarantine and being treated. Meanwhile, the six family members who have tested negative for the disease have been quarantined at the community health centre of Sikandarabad tehsil in Bulandshahr," said Dr KN Tiwari, Bulandshahr chief medical officer. The first patient in question was quarantined much before he tested positive – after cases in ceasefire factory of Noida started coming up.

Discrimination amid pandemic, Pakistan refuses to give food to Hindus as coronavirus rages

KARACHI: The world is united in fighting against Covid-19 pandemic but for Pakistan, religious discrimination remains a top priority amidst this global crisis. The country's Hindus and Christian minorities are not being given food supplies by authorities, saying they are meant for the Muslims. "Authorities are not helping us during the lockdown, the ration is also not being provided to us because we are part of a minority community," a Hindu man lamented. Scores of marginalised people gather at Karachi's Rehrri Ghoth to receive food supplies and daily essentials as shops remain shut to curb the spread of coronavirus. But those belonging to the Hindu community are told to go back since the rations are only meant for Muslims. "We only hear that people in our neighbourhoods are receiving essential goods. My son drives the rickshaw. Due to the lockdown, all services have been suspended. He is sitting idle at home. We do not have anything to eat. We have no money. Even when we visit the ration distribution centers, the authorities assure us that they will send essential items in separate trucks but eventually they don't," said another member of the Hindu community in Karachi. Hindus in Pakistan form a 4 per cent of the country's population. The community is subjected to rampant discrimination and are often denied basic human rights. Under international pressure and global outcry over the condition of the minorities in Pakistan, the Imran Khan-led government last year decided to restore over 400 Hindu temples which were demolished over the years. One year on, the plan is yet to see the light of the day with not more than 12 temples in the country made functional. And the discrimination continues even at the time of global crisis- as serious as Covid-19 pandemic.

प्रशासन ने जारी किया एप, इस पर कर सकेंगे सेवा देने के लिए पंजीकरण

गाजियाबाद : कोरोना वायरस पर रोकथाम पर इससे निपटने के लिए अब निजी अस्पतालों का स्टाफ भी सरकारी डॉक्टरों की मदद कर सकेगा और अपनी सेवाएं दे सकेगा। इसके लिए प्रशासन स्तर पर एप तैयार किया गया है। इस एप पर निजी अस्पताल से जुड़ा हुआ कोई भी कर्मचारी स्वच्छिक रूप से अपनी सेवाएं दे सकेगा। जो भी व्यक्ति कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करना चाहता है तो वह इस एप पर अपना पंजीकरण कर सकता है। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि कोरोना वायरस महामारी घोषित हो चुका है और पूरा विश्व इससे प्रभावित है। गाजियाबाद एनसीआर का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण यहां इससे संक्रमित होने वालों की संख्या बढने की आशंका बनी रहती है। कोरोना से रोकथाम व इससे निपटने के लिए जिले के सभी सरकारी अस्पताल, डॉक्टर, पैरामैडिकल स्टाफ 24 घंटे अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस महामारी से निपटने के लिए चिकित्सा एंव स्वास्थ्य विभाग का सरकारी तंत्र फ्रंटलाइन पर सेवाएं दे रहा हैं वहीं सेकेंड लाइन यानि बैकअप के रूप में भी हमें चिकित्सकों, पैरामैडिकल स्टाफ व अन्य संसाधनों की आवश्यकता है। उन्होंने निजी अस्पतालों, चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ से अपील की है कि वह इस संकट की घड़ी में आगे आकर समाज व देश की सेवा करें और अपनी सेवाएं कोरोना से लडने के लिए दें।

सावधानी के साथ पीएसी भी जरूरतमंदों को दे रही राहत सामग्री

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लागू किए लॉकडाउन में कई मजदूर व गरीब परिवारों के पास राशन नहीं है। अन्य संस्थाओं की तरह 47वीं वाहिनी पीएसी भी जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री दे रही है। गोविंदपुरम स्थित पीएसी बटालियन के कमांडेंट योगेश सिंह ने बताया कि लॉकडाउन में पीएसी द्वारा आपरेशन सहयोग के नाम से अभियान शुरू किया गया है। वितरण का काम पूरी सावधानी के साथ किया जा रहा है। एक मीटर से अधिक की दूरी की लाइन लगवाकर मजदूरों को जरूरी चीजें दी जा रही हैं।

कोरोना वायरस के धातु पर ज्यादा देर तक जिंदा रहने का अंदेशा

गाजियाबाद : कोरोना को देखते हुए किसी भी तरह के आभूषण पहनना खतरनाक हो सकता है। चिकित्सकों का कहना है कि कोरोना वायरस के धातु पर ज्यादा देर तक जिंदा रहने का आशंका रहती है। साथ ही पहनी हुई धातु अच्छी तरीके से धुल भी नहीं पाती। चिकित्सकों की लोगों को सलाह है कि लोग फिलहाल कोई भी आभूषण पहनने से बचें। फिजिशियन डॉ. अरविंद डोगरा ने बताया कि हाथों में अंगूठी, घड़ी हो या कंगन किसी भी तरह के आभूषण पहनना लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। जितना हो सकता है इन्हें पहनने से बचें। उन्होंने बताया कि एक कारण तो यह है कि हाथों में पहनी हुई धातु की अच्छे से धुल नहीं पाती और साफ नहीं हो पाती और दूसरा यह भी कि वायरस के धातु पर ज्यादा देर तक जिंदा रहने का भी अंदेशा हैं। इसे देखते हुए किसी भी हाल में आभूषण पहनना सुरक्षित नहीं है। इसके अलावा बालों में सफाई रखें और उन्हें समेटने के लिए पूरी तरह से साफ करने के बाद ही कुछ भी लगाए। हाथों के अलावा अन्य कहीं भी जितना हो सकें किसी भी तरह की धातु पहनने से बचें। चश्मा भी कोरोना संक्रमण का कारण हो सकता है। ज्यादातर देखने में आता है कि चश्मा के सैनिटाइज करने पर कोई ध्यान ही नहीं देता। जो लोग केवल फैशन के लिए चश्मा पहन रहे हैं वे तो बिल्कुल न पहने। जिन लोगों को नजर की समस्या है वे चश्मे को समय–समय पर सैनिटाइज करें।

रोहिणी ने सिलकर बांटे मास्क

साहिबाबाद : कोरोना बीमारी के कारण एक तरफ जहां मेडिकल स्टोरों से लेकर ऑनलाइन साइट पर मास्क की किल्लत है तो दूसरी तरफ विजयनगर की शिवपुरी कालोनी में रहने वाली रोहिणी गोले लोगों को घर से ही मास्क बनाकर बांट रही हैं। रोहिणी ने बताया कि घर में कपड़े सिलने का काम होता है। ऐसे में जो कपड़ा बच जाता है उसे साबुन से अच्छी तरह धोती हैं। इसके बाद इन कपड़ों को धूप में सुखाती हैं, ऐसा करने से कपड़े पर कोई बैक्टीरिया–वायरस नहीं रहता है। इसके बाद सिलाई कर मास्क बना देती हैं, जिसे पहनकर लोग संक्रमण की चपेट में आने से बच सकते हैं। रोहिणी ने बताया कि बचपन में उन्होंने आसपास के लोगों को अंधविश्वास के कारण तांत्रिकों के फेर में फंसते देखा तो उनको जागरुक करने का बीड़ा अपने कंधे पर उठाया। वह इसके लिए प्रगति विज्ञान संस्था से जुड़ीं और अलग अलग जगह जाकर प्रशिक्षण लिया। जिससे उनको विज्ञान के बारे में अच्छी जानकारी हो सकी। इसके बाद उन्होंने लोगों को विज्ञान के बारे में जागरुक करना शुरू किया। उनका उद्देश्य लोगों के अंदर वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना है। कोरोना वायरस को लेकर भी कुछ लोग अंधविश्वास में फंसे तो उनको भी सचेत किया। मास्क पहनने और सैनिटाइजर या साबुन से समय समय पर हाथ धोने के लिए कहा। मास्क की किल्लत हुई तो खुद ही घर पर मास्क तैयार कर सौ लोगों को बांटे।

लॉकडाउन का पालन कराते हुए पीसीआर से बांटा गया भोजन और खाद्य सामग्री

लोनी : पुलिस की सदैव बुराई करने वाले लोगों को लॉक डाउन के दौरान खाकीधारियों का नया रूप देखने को मिल रहा है। पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था बनाने के साथ लोगों को खाद्य सामग्री और भोजन मुहैया करा रहे हैं। अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों को रोड पर पैदल जाते लोगों को शेल्टर हाउस में रुकवाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस के सायरन की आवाज सुनकर लोग अपना रास्ता बदल देते थे। लेकिन इस समय लोग पुलिस की गाडियों को काफी उम्मीद से देख रहे हैं। शायद उन्हें अपने परिवार के लिए कुछ खाने को सामान इन्हीं गाडियों से मिल जाए। लॉकडाउन के दौरान पुलिस भी लोगों की उम्मीदों पर खरी उतर रही है। लोनी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह भड़ाना ने बताया कि पुलिस और समाज सेवक जरूरतमंदों की मदद करना चाहते थे। लॉकडाउन के कारण सामज सेवकों को अनुमति देना संभव नहीं था। पुलिस और समाज सेवक द्वारा एकत्र किए गए खाद्य सामग्री को पीसीआर से वितरित कराया जा रहा है। वहीं ट्रॉनिका सिटी थाना प्रभारी निरीक्षक रमेशचंद राणा ने बताया कि पुलिस और समाज सेवकों की मदद से करीब 1400 लोगों का खाना बनवाया गया था। जिसे पीसीआर और निजी वाहनों से थाना क्षेत्र में वितरित कराया गया है।

खाद्य सामग्री बांट रहे भाई–बहन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

साहिबाबाद : थाना क्षेत्र स्थित साहिबाबाद गांव में करीब दो सौ लोगों की भीड़ एकत्रित कर खाद्य सामग्री बांटने वाले भाई–बहन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। दोनों पर लॉकडाउन व धारा–144 का उल्लंघन करने का आरोप है। रेलवे रोड पुलिस चौकी प्रभारी संजीव कुमार चौहान का आरोप है कि साहिबाबाद गांव निवासी सगे भाई–बहन ने सोमवार शाम करीब पांच बजे मोबाइल के जरिए लगभग दो सौ लोगों को एकत्रित किया। एकत्रित लोगों को खाद्य सामग्री वितरित की। दोनों ने लॉकडाउन व धारा–144 का उल्लंघन किया। इससे संक्रमण फैलने की प्रबल संभावना है। उनकी शिकायत पर लिंक रोड थाना में दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है।

पुलिस–प्रशासन ने सोशल मीडिया को बनाया हथियार

साहिबाबाद : कोरोना से जंग जीतने के लिए गाजियाबाद जिला प्रशासन व पुलिस दिन–रात एक किए है। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी 24 घंटे सक्रिय होकर लॉकडाउन को सफल बनाने में लगे हैं। पुलिस–प्रशासन के लिए सोशल मीडिया भी काफी सहायक साबित हो रहा है। अधिकारी सोशल मीडिया पर लोगों को कोरोना से संबंधित जानकारियां देने के साथ आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर रहे हैं। सहयोग की अपील रू वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेने के साथ ही सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। सोशल मीडिया को हथियार बनाकर गाजियाबाद की अवाम से कोरोना से जंग जीतने की अपील कर रहे हैं। उन्हें आवश्यक दिशा–निर्देश व जरूरी नंबर जारी कर रहे हैं। गाजियाबाद पुलिस के ट्विटर अकाउंट से भी संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। ट्विटर के माध्यम से यह भी चेतावनी जारी की गई है कि घर में राशन होते हुए भी पुलिस को फर्जी कॉल कर खाद्य सामग्री मांगने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जरूरतमंदों की मदद कर रही है। फर्जी कॉल न करें। वहीं, मंगलवार को लॉकडाउन में बिना अनुमति के चिकन बेच रहे पांच लोगों को गिरफ्तार करने की जानकारी भी ट्विटर के माध्यम से दी गई। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय की ओर से भी सोशल मीडिया पर लोगों से लॉकडाउन का पूरा पालन करने की अपील की गई है। उनके द्वारा जारी दिशा–निर्देश को भी ट्विटर के माध्यम से प्रसारित किया जा रहा है। मकान मालिकों द्वारा किराएदारों पर किराए के लिए दबाव नहीं बनाने सहित घर–घर आवश्यक सामग्री पहुंचाने आदि की जानकारी दी गई है। उनके ट्वीट को तमाम लोगों ने भी साझा किया है। प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर की जा रहीं शिकायतों को भी संज्ञान में लिया जा रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट शिव प्रताप शुक्ल को वाट्सएप के माध्यम से इंदिरापुरम के न्याय खंड–तीन में कालाबाजारी की शिकायत मिली, तो उन्होंने अधिकारियों को ग्राहक बनाकर मौके पर भेजा। दुकानदारों को रेट लिस्ट लगाने का निर्देश दिया।

लॉकडाउन के चलते आ गया मजदूरी पेशा लोगों के सामने रोजी–रोटी का संकट

गाजियाबाद : कोरोना वायरस फैलने से रोकने के लिए देशभर को लॉकडाउन किया गया है। इससे श्रमिकों के सामने रोजी–रोटी का संकट आ खड़ा हुआ है। जरूरतमंद लोगों को राशन पहुंचाने के लिए युवाओं की कई टीमें रात के अंधेरे में ऐसी बस्तियों में दरवाजा खटखटाकर राशन बांट रही हैं। वहीं, इस काम में सामाजिक, व्यापारिक और औद्योगिक संगठन से जुड़े लोग भी जुटे हुए हैं। कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे से देश को बचाने के लिए देश भर में लॉकडाउन किया गया है। रोजगार न होने के चलते श्रमिकों व उनके परिवारों के सामने रोजी–रोटी का संकट है। ऐसे परिवारों को तलाश कर युवा भी उन्हें राशन पहुंचाने के लिए आगे आ रहे हैं। शहर के संजय नगर व मोरटा के रहने वाले युवाओं में आमिर हुसैन, तकी हुसैन, मूल शंकर त्यागी, डॉ. हैदर हसन, इंजीनियर विशाल त्यागी ने कई सौ परिवारों के लिए राशन के पैकेट तैयार किए हैं, जिन्हें वह रात के समय गरीब बस्तियों में बांट रहे हैं। इसके अलावा जनपद भर में बहुत से ऐसे लोग मानवता का परिचय देते हुए श्रमिक व जरूरतमंद परिवारों को राशन एवं खाने के पैकेट मुहैया करा रहे हैं। इसके अलावा सरकारी मशीनरी के अलावा अफसर एवं व्यापारी, औद्योगिक एवं सामाजिक संगठनों ने भी राशन व खाना वितरित कर रहे हैं।

ग्राहक बनकर दुकानों पर पहुंचे अधिकारी न्याय खंड–तीन में किया निरीक्षण

इंदिरापुरम : कालाबाजारी की सूचना पर सोमवार को प्रशासनिक अधिकारियों ने न्याय खंड–तीन की दुकानों पर ग्राहक बनकर निरीक्षण किया। दुकानों पर कालाबाजारी नहीं मिली। अधिकारियों ने दुकानदारों को रेट लिस्ट लगाने का निर्देश दिया। सिटी मजिस्ट्रेट शिव प्रताप शुक्ल ने बताया है कि लॉकडाउन के दौरान कालाबाजारी रोकने के लिए टीम के सदस्य क्षेत्र में ग्राहक बनकर घूम रहे हैं। ग्राहक बनकर अधिकारी दुकानों पर जाकर सामान खरीद रहे हैं। इससे कालाबाजारी करने वाले रंगे हाथ पकड़े जाएंगे। उन्होंने बताया कि सोमवार को टीम ने न्याय खंड–तीन में ग्राहक बनकर दुकानों

का निरीक्षण किया। दुकानों पर सामान्य दर पर सामान की बिक्री होती मिली। दुकानदारों को रेट लिस्ट लगाने का निर्देश दिया गया। कई दुकानदारों ने फौरन रेट लिस्ट लगा ली। उन्होंने बताया कि कालाबाजारी व भंडारण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हेल्प लाईन नंबर

गाजियाबाद प्रशासन

डीएम – 2824416
आवास – 2820106
एडीएम (सिटी) – 2828411
एडीएम (प्रशासन) – 2827016
सिटी मजिस्ट्रेट – 2827365
आयकर विभाग– 2714144
पासपोर्ट कार्यालय– 2721779

पुलिस अधिकारी

एसएसपी –2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर–2854015
पुलिसअधी. यातायात–2829520
सीओ प्रथम– 2733070
सीओ द्वितीय – 2791769
सीओ एलआईयू– 2700925
सीओ लोनी– 3125539

जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए – 2791114
जीडीए सचिव – 2790891

अस्पताल

सी.एम.ओ. – 2710754
सी.एम.एस. – 2730038
आपातकालीन – 2850124
कोलम्बिया एशिया –3989896
यशोदा अस्पताल–2750001–04
गणेश अस्पताल –4183900
संतोष अस्पताल –2741777
सर्वोदय अस्पताल –2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल 2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस) 2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

बीएसएनएल

जीएम 2755777

अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम – 2734906
कोतवाली – 2732099
जिला कन्ट्रोल रूम –2766898

पुलिस स्टेशन

एसएचओ इंदिरापुरम– –9643322921
एसएचओ खोड़ा– –9643322922
एसएचओ–साहिबाबाद– – 9643322923
एसएचओ लिंक रोड– –9643322924
कोतवाली – 2732088
सिहानी गेट – 2791627
कविनगर – 2711843
विजयनगर – 2740797
इंदिरापुरम – 2902858
लोनी – 2600097
अग्निशमन विभाग –2732099 9818702101
रेलवे इन्कवायरी –131

नगर निगम

नगरायुक्त– 2790425,2713580

विद्युत विभाग

मुख्य अभियंता – 2821025

पूछताछ

रेलवे कस्टमर –2797840, 139
रिजर्वेशन – 8888
रोडवेज इन्कवायरी –2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
Phone No.: 0120-4561000

ट्रांस हिंडन में संस्थाएं, आरडब्ल्यूए व अन्य लोग कर रहे मदद

साहिबाबाद : लॉकडाउन के दौरान कोई भूखा न रह जाए, ऐसे में दर्जनों लोग मदद के लिए सामने आए हैं। आरडब्ल्यूए और विभिन्न संस्थाओं ने मंगलवार को आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को खाने के पैकेट, राशन, व अन्य खाद्य सामग्री बांटे। वसुंधरा सेक्टर 10 ए ब्लॉक की जागृति रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष पुनीत जैन ने बताया कि कॉलोनी के अंदर मंजदूर, आसपास की झुग्गियों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को गांव जाने से रोका गया है। पूरी कॉलोनी के लोग उनकी मदद कर रहे हैं। जैन मंदिर से महावीर वाटिका तक 60 परिवार झुग्गियों रहता है। इन सभी परिवार को आगामी 15

दिन के लिए राशन– आटा, दाल, चावल, तेल, नमक आदि दिया जाएगा। इसके लिए सामान मंगवाया गया है। आसपास के लोगों व अन्य संस्थाओं से अनुरोध ा है कि अन्य इलाके में जाकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की मदद करें, जिससे सभी को मदद मिल सके। एक ही जगह पर सभी लोग राशन न बांटे। वसुंधरा सेक्टर तीन में आंगन और आंचल वृद्धाश्रम की संचालिका रेणुका का कहना है कि कोई शहर छोड़कर न जाए, जिससे ग्रामीण इलाकों में बीमारी न फैले। इसके चलते बीते एक सप्ताह से राशन बांटा जा रहा है। वसुंधरा इलाके में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को ह्युमैनिक स्पोर्टस संस्था भी मदद से दाल, चावल, आटा, चीनी, तेल, नमक मिर्च व आलू, पानी व अन्य खाद्य पदार्थ बांटा जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ वैशाली महानगर साहिबाबाद द्वारा सीता रसोई की ओर से जीटी रोड स्थित आइएमई कॉलेज में खाना बनाकर विभिन्न इलाकों में बंटवाया जा रहा है, जिससे कोई भूखा न रहे। इस काम को करने में देवेंद्र प्रताप, विजय गोयल, नवीन त्यागी, अमित, योगेंद्र, भूपेंद्र व अन्य स्वयं सेवक सहयोग कर रहे हैं। वहीं, मंगलवार को राजेंद्र नगर सेक्टर दो स्थित ईएसआइ अस्पताल में कैंटीन चलाने वाली होप चौरिटेबल ट्रस्ट की ओर से अस्पताल के बाहर मंगलवार को खाने के पैकेट बांटे गए। दूसरी ओर साहिबाबाद गांव में मंगलवार को स्थानीय निवासी महेश कुमार और प्रीतम सिंह ने ठेले पर सब्जी रखकर गली नंबर एक में लोगों को बांटा। साथ ही उन्होंने लोगों से लॉकडाउन का उल्लंघन न करने की भी अपील की। समृद्धि फाउंडेशन की ओर से रविवार रात एनएच–नौ समेत विभिन्न इलाकों में सड़कों पर लोगों को खाने के पैकेट व बोतलें बांटीं गई। इस दौरान फाउंडेशन के सचिव चंदन सेनगुप्ता, राकेश सैनी, सुमित शेखर, पीयूष गगन, अजय, आरपी वर्मा, व अन्य लोग मौजूद रहे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ दर्ज हो राष्ट्रदोह का मुकदमा : नंद किशोर गुर्जर

लोनी : लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ राष्ट्रदोह के तहत मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की है। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। विधायक नंद किशोर गुर्जर ने वीडियो में कहा है कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए देश में लॉकडाउन है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरङ्क्षवद केजरीवाल पे तीन दिन पूर्व हजारों की संख्या में लोगों को अपने गंतव्यों की ओर जाने के लिए बाध्य किया। दूसरी ओर दिल्ली स्थित निजामुद्दीन क्षेत्र स्थित एक मस्जिद में तब्लीगी मरकज के लिए देश के कोने कोने से लोग एकत्र हुए, जोकि लॉकडाउन के नियमों का घोर उल्लंघन है।

13 लोगों के घर लगाया होम क्वारंटाइन का स्टीकर

गाजियाबाद % आठ कोरोना पॉजिटिव और 150 से अधिक संदिग्ध केस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी तेज कर दी है। 65 सोसायटियों के करीब दस लाख लोगों का सर्वे किए जाने के लक्ष्य के सापेक्ष मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 356 नए घरों का सर्वे करते हुए 53 हजार लोगों को निगरानी में शामिल किया है। इस सर्वे के तहत 13 लोगों के घरों पर होम क्वारंटाइन का स्टीकर लगाया गया है। सीएमओ एन के गुप्ता ने बताया कि अब तक चार लाख 90 हजार लोगों का सर्वे हो चुका है। शेष का सर्वे अगले कुछ दिनों में किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम की टीम द्वारा अब तक 14 क्षेत्रों को सैनिटाइज कराया जा चुका है।

आदेश की अवधि बीती, इसके बाद संक्रमित का फ्लैट सील

साहिबाबाद % एक तरफ कोरोना का संक्रमण तेजी से अपने पांव पसार रहा है तो दूसरी तरफ इसकी रोकथाम में लापरवाही बरती जा रही है। लापरवाही भी इस हद तक की शालीमार गार्डन एक्सटेंशन–2 में कोरोना से संक्रमित व्यक्ति के फ्लैट को सील करने का जिलाधिकारी द्वारा चार दिन पहले जारी किया गया नोटिस उसके फ्लैट के बाहर मंगलवार को चस्पा किया गया, लेकिन तब तक फ्लैट सील किए जाने की अवधि ही समाप्त हो चुकी थी। आसपास के लोगों का कहना है कि इस तरह से लापरवाही कर आसपास रहने वाले लोगों के जीवन को संकट में डाला जा रहा है, अगर नोटिस समय पर चस्पा होता तो पहले ही सजग हो जाते। परिवार से

दूरी बनाकर रखते लेकिन समय पर ऐसा नहीं किया गया। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन–2 में एक व्यक्ति का 24 मार्च को टेस्ट किया गया। 26 मार्च को उस व्यक्ति के कोरोना संक्रमित पाए जाने का पता चला। 27 मार्च को जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने फ्लैट को सील करने का नोटिस जारी किया। नोटिस के मुताबिक, 28 मार्च की दोपहर दो बजे से 30 मार्च की सुबह 11 बजे तक अस्थाई रूप से फ्लैट को सील किया जाना था। इस अवधि तक कोरोना संक्रमित व्यक्ति के परिवार को घर के अंदर ही रहना था, जिससे की आसपास के लोग उनके संपर्क में न आएं और कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। इस नोटिस को फ्लैट के बाहर चस्पा करने की जिम्मेदारी कानूनगो उत्तम प्रकाश शर्मा और पटवारी अय्यूब खान को सौंपी गई। लेकिन डीएम कार्यालय से चंद किलोमीटर दूर स्थित शालीमार गार्डन में डीएम द्वारा जारी किए गए सीलिंग के आदेश की प्रति लेकर कानूनगो और पटवारी को चार दिन का समय लग गया। इस दौरान अस्थाई सील का समय बीत गया। नोटिस चस्पा करने के लिए मंगलवार (31 मार्च) की दोपहर दो बजे कानूनगो और पटवारी पहुंचे। संक्रमित व्यक्ति के फ्लैट के बाहर नोटिस चस्पा किया। आसपास के लोगों ने बताया कि जब प्रशासनिक अधिकारी इस कदर लापरवाही बरतेंगे तो कोरोना के संक्रमण को फैलने से कैसे रोका जा सकेगा?

ट्रेन को आइसोलेशन वार्ड बनाने के लिए यार्ड में नहीं है पानी की व्यवस्था

गाजियाबाद : कोरोना से पीडित मरीजों की संख्या बढने पर गाजियाबाद में किसी भी ट्रेन को आइसोलेशन के रूप में नहीं बदला जा सकता है। क्योंकि गाजियाबाद यार्ड में पानी की व्यवस्था नहीं है। इस संबंध में रेलवे के उच्चाधिकारियों ने गाजियाबाद स्टेशन अफसरों से रिपोर्ट मांगी थी। अफसरों ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यार्ड में पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण यहां किसी ट्रेन को आइसोलशन के रूप में नहीं बदला जा सकता है। जनपद में कोरोना के अब तक आठ मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ चुकी है। विदेश से लौटे डेढ़ हजार मरीजों को विशेष निगरानी में घरों में क्वारंटाइन किया गया है। कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर अफसरों ने तमाम तैयारी शुरू कर दी हैं। मुरादनगर सीएचसी को कोरोना मरीजों के लिए अस्पताल बनाने के लिए चिह्नित किया गया है। इसके अलावा अन्य स्तर पर भी तैयारी की जा रही है। ट्रेनों को आइसोलेशन वार्ड में बदलने के पर रेलवे भी पूरी तैयारी में जुटा है। गाजियाबाद से 28 लोकल ट्रेने संचालित की जाती हैं। डिविजन से गाजियाबाद में ट्रेनों को आइसोलेशन में बदलने के लिए रेलवे अफसरों से रिपोर्ट मांगी गई थी। रेलवे अफसरों ने यहां पर ट्रेन को आइसोलेशन में बदलने से साफ इंकार कर दिया है।

सैनिटाइजर व मास्क नहीं, 150 एंबुलेंस चालकों ने किया कार्य बहिष्कार

गाजियाबाद : स्वास्थ्य विभाग के एंबुलेंस चालक और आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन (ईएमटी) ने मंगलवार दोपहर से कार्य बहिष्कार कर दिया। आरोप है कि कोरोना संदिग्धों और मरीजों को लाने के लिए उन्हें सैनिटाइजर, मास्क या गलव्स नहीं दिए गए हैं। साथ ही एंबुलेंस की धुलाई भी आज तक नहीं की गई। एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बताया कि 12 बजे से सभी एंबुलेंस अपने स्थान पर रोक दी गईं। आरोप है कि दो माह का वेतन नहीं मिला। आर्थिक शोषण का आरोप लगाते हुए कहा कि सभी चालकों को निजी फर्म के माध्यम से नियुक्त किया गया है। वेतन के नाम पर 9600 रुपये मिलते हैं। पीएफ का पैसा

भी जमा नहीं किया जाता। इसके अलावा कोई इंश्योरेंस पॉलिसी भी नहीं कराई गई है। मुकेश शर्मा ने बताया कि यूनियन की ओर से 50 लाख रुपये के इंश्योरेंस, पीएफ में पैसा जमा कराने, लंबित वेतन तुरंत देने, सुरक्षा के मानकों के अनुसार उन्हें सैनिटाइजर आदि देने और लॉकडाउन के दौरान भोजन उपलब्ध कराने की मांग की गई है। हालांकि एंबुलेंस प्रभारी जयविंदर सिंह ने दावा किया कि सेवा सुचारू है। मंगलवार को ही कोरोना से जुड़े 20 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हमारे पास दो एडवांस लाइफ सपोर्ट सहित आठ एंबुलेंस कोविड–19 रोगियों को लाने ले जाने के लिए रखी गई हैं। इनके चालकों के पास सभी सुरक्षा इंतजाम हैं।

आपात बैठक बुलाई, सीएम ने कार्यक्रम बीच में छोड़ा

गाजियाबाद : जिले में कोरोना को लेकर की गई तैयारियों का निरीक्षण करने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में अचानक बुलाई गई आपात बैठक के कारण कार्यक्रम को बीच में छोड़ कर लखनऊ रवाना हो गए। उन्होंने डीएम व अधिकारियों को कुछ दिशानिर्देश दिए। कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर जिले के हालातों का जायजा लेने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गाजियाबाद पहुंचे। मगर सीएम चार मिनट से भी कम समय के लिए रुके और फिर लखनऊ रवाना हो गए। हालांकि सीएम का तीन जगहों का कार्यक्रम प्रस्तावित था, लेकिन पुराना बस अड्डा स्थित संतोष मेडिकल कॉलेज से ही वह लौट गए। सीएम को अस्पताल और कोविड–19 कंट्रोल रूम के निरीक्षण के बाद अधिकारियों के साथ बैठक करनी थी, लेकिन वह अस्पताल भी पूरी तरह से देखे बिना ही लौट गए। सीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम के मुताबिक उन्हें 10 बजे संतोष मेडिकल कॉलेज पहुंचना था, जिसमें स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना संक्रमित लोगों के संपर्क में आए लोगों को क्वारंटाइन किया हुआ है। सीएम के दौरे को लेकर आइजी रेंज मेरठ प्रवीण कुमार भी पहुंचे थे। सीएम की सुरक्षा के लिए भारी फोर्स तैनात की गई थी। सुरक्षा कारणों से आसपास के बाजार और पुराना बस अड्डा की सब्जी मंडी भी सुबह के समय बंद कराई गई थी। सीएम की गाड़ी 10.31 बजे अस्पताल के अंदर गई और 10. 35 पर बाहर निकली। सीएम ने नोएडा दौरे पर स्वास्थ्य सेवाओं से नाराजगी जाहिर की थी। बैठक में डीएम को फटकार लगाने का वीडियो भी वायरल हुआ था। इस कारण सीएम के गाजियाबाद दौरे की जानकारी मिलने के बाद से ही अधिकारियों की सांस फूली हुई थी। एमएमजी अस्पताल, संयुक्त जिला चिकित्सालय, कोविड कंट्रोल रूम, कम्युनिटी किचन और कोविड अस्पताल आदि के स्टाफ को अलर्ट मोड पर कर दिया गया। सोमवार को आधी रात के बाद तक अधिकारी संबंधित जगहों पर जाकर चेक करते रहे कि कोई खामी तो नहीं है। मगर लखनऊ की आपात बैठक के कारण सारी तैयारी धरी रह गईं। हालांकि सीएम के जाने के बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

कोरोना वायरस से बचाव की तैयारियों को लेकर अपर मुख्य सचिव ने ली बैठक

गाजियाबाद : जिले में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ के दौरे के बाद अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा रजनीश दूबे ने कलक्ट्रेट सभागार में कोरोना वायरस को लेकर तैयारियों और बचाव के संबंध ा में अधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि कोविड–19 महामारी की दृष्टि से गाजियाबाद अत्यंत संवेदनशील जिला है। इसके चलते जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग के साथ अन्य सभी विभागीय अधि ाकारी संयुक्त रूप से टीम भावना के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि कोविड–19 के संक्रमण को रोकने के लिए सर्विलांस अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए इस कार्य को गहनता के साथ कार्ययोजना बनाकर किया जाए, ताकि जिले में सभी कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्तियों को चिह्नित किया जा सके। रजनीश दूबे ने कहा कि इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम पर आने वाली जानकारियों व कॉल्स को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने इंटीग्रेटिड कंट्रोल रूम पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों डाटा कंप्यूटर में एकत्र किया जाए। जैसे ही कोरोना वायरस से संक्रमित होने की किसी व्यक्ति की संभावना हो तो उसे तत्काल क्वारंटाइन में शिफ्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कोविड–19 के दृष्टिगत कार्य योजना तैयार करें और उसी के आधार पर क्वारंटाइन व आइसोलेशन वार्ड बनाने की कार्यवाही की जाए।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor : Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in **(RNI. No) : UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016- 18.** Advertisement : Ph. No. : 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.